ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

आज बापदादा सर्व बच्चों के भाग्य को देख हर्षित हो रहे हैं। सबसे बड़ा भाग्य सभी के मस्तक में चमकता हुआ सितारा, चमकता हुआ दिखाई दे रहा है। सबका मस्तक चमक रहा है। साथ में सबके मुख में ज्ञान वाणी की चमक दिखाई दे रही है। सबके होठों में मुस्कुराहट कितनी सुन्दर चमक रही है। **हर एक के दिल में दिलाराम बाप की लवलीन मूर्त की झलक दिखाई दे रही है। सभी के हाथों में ज्ञान के खज़ानों की चमक दिखाई दे रही है। हर एक के कदम में (पाँव में)पदम की झलक दिखाई दे रही है। बोलो, इतने बड़े भाग्य, कितनी झलक से चमक रहे हैं। सोचो, इतना बड़ा भाग्य कैसे बना। स्वयं भाग्य विधाता बाप ने भाग्य बनाया है। खुद भाग्य विधाता ने आपका भाग्य बनाया है। तो अपने भाग्य को देख हर्षित होते रहते हो ना! वाह भाग्य। और रोज अमृतवेले अपने भाग्य को देखते रहते हो ना! संगमयुग है ही भाग्य बनाने वाला।**

AMRITVELA

Today, BapDada is pleased on seeing the fortune of all the children. The sparkling star of the greatest fortune is visibly sparkling on everyone's forehead. Everyone's forehead is shining. Along with that, the sparkle of the versions of knowledge is visible on their lips. Such a beautiful smile is sparkling on everyone's lips. **A sparkle of the image of being merged in the love of the Father, the Comforter of Hearts, is visible in each one's heart. The sparkle of the treasures of knowledge is visible in everyone's hands. The sparkle of multi-millions at every step is visible at each one's feet. Speak! that great fortune is sparkling with such sparkle. Just think how such great fortune was created. The Father, the Bestower of Fortune, Himself, created that fortune. The Bestower of Fortune, Himself, has created your fortune. So, you continue to be happy on seeing your fortune, do you not? Wah fortune! You continue to look at your fortune every day at Amrit vela, do you not? The confluence age is the age for creating fortune.**

Brahma Kumaris

आज का सुगन्धित पुष्प

Fragrant Flower For Today

आप में सेवा की शुद्ध भावना है।

आप ट्रस्टी हो। 😊

You have good wishes for service.

You are a trustee! 😊

ड्रिलः अभी-अभी मालिक, अभी-अभी बालक

बापदादा- 31.12.2003

बापदादा यह रॉयल रूप के मैं-मैं के गीत बहुत सुनते हैं। मैंने जो किया वही ठीक है, मैंने जो सोचा वही ठीक है, वही होना चाहिए, यह मैं-पन धोखा दे देता है। सोचो भले, कहो भले लेकिन निमित्त और निर्माण भाव से। बापदादा ने पहले भी एक रूहानी ड्रिल सिखाई है, कौन-सी ड्रिल? अभी-अभी मालिक, अभी-अभी बालक। विचार देने में मालिक पन, मैजारिटी के फाइनल होने के बाद बालक-पन। यह मालिक और बालक... यह रूहानी ड्रिल बहुत-बहुत आवश्यक है। सिर्फ बापदादा के तीन शब्द शिक्षा के याद रखो - सबको याद है! मन्सा में निराकारी, वाचा में निरअहंकारी, कर्म में निर्विकारी। जब भी संकल्प करते हो तो निराकारी स्थिति में स्थित होके संकल्प करो और सब भूल जाए लेकिन यह तीन शब्द नहीं भूलो। यह साकार रूप की तीन शब्दों की शिक्षा सौगात है।

Fb | OM Shanti

भगवान जानते है
आपने किस चीज़ के लिए
कितना सब्र किया है और
यकीन मानिए आपके सब्र
के हर पल की कीमत
अदा होगी, अपने प्रभु पर
विश्वास रखिये।

Fb | OM Shanti

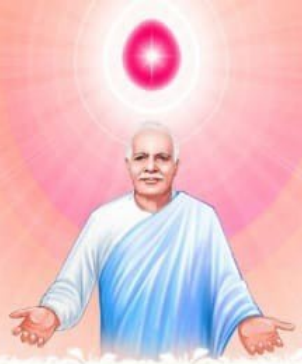

सम्पूर्णता की ओर

संस्कार मिलन की रास करने के लिए अपनी नेचर को इजी और एक्टिव बनाओ। इजी अर्थात अपने पुरुषार्थ में, संस्कारों में भारीपन न हो। इजी है तो एक्टिव है। अगर खुद इजी नहीं बनते हैं तो मुश्किलातों का सामना करना पड़ता है। फिर अपने संस्कार, अपने कमजोरिया मुश्किल के रूप में देखने में आती है।

जैसा धन वैसा अन्न
जैसा अन्न वैसा मन
जैसा मन वैसा तन

सात्विक धन कमाएं
दुआएं साथ में आए
खुशी और सेहत का सुख पाएं।

BKShivani

The way we look at the world can help us understand & unlearn our acquired beliefs.
BRAHMA KUMARIS

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org